व्यवसाय इकाई का आकार उस सीमा को दर्शाता है जिसके अंतर्गत कोई व्यवसाय अपने कार्यों को संचालित करता है।
अर्थात, किसी व्यवसाय की उत्पादन क्षमता, पूंजी निवेश, कर्मचारियों की संख्या, और बिक्री के स्तर से यह पता चलता है कि वह छोटा, मध्यम या बड़ा व्यवसाय है।

🔹 व्यवसाय इकाई के आकार को प्रभावित करने वाले मुख्य आधार (Basis for Determining Size of Business Unit):

1. पूंजी निवेश (Capital Investment):
किसी व्यवसाय में लगाई गई कुल पूंजी से उसके आकार का निर्धारण किया जा सकता है।

अधिक पूंजी → बड़ा व्यवसाय

कम पूंजी → छोटा व्यवसाय

2. उत्पादन की मात्रा (Volume of Production):
जितना अधिक उत्पादन होगा, व्यवसाय का आकार उतना बड़ा माना जाएगा।

3. कर्मचारियों की संख्या (Number of Employees):
अधिक कर्मचारियों वाला व्यवसाय बड़े आकार का होता है, जबकि सीमित कर्मचारियों वाला छोटा व्यवसाय कहलाता है।

4. वार्षिक बिक्री या कारोबार (Annual Turnover or Sales):
कुल वार्षिक बिक्री के आधार पर भी व्यवसाय के आकार का निर्धारण किया जाता है।

5. स्थापना क्षेत्र (Area of Operation):

स्थानीय स्तर पर कार्य करने वाला व्यवसाय → छोटा व्यवसाय

राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाला → बड़ा व्यवसाय

- व्यवसाय इकाई के प्रकार (Types of Business Unit According to Size):

1. छोटे आकार का व्यवसाय (Small Scale Business):

कम पूंजी, सीमित उत्पादन

उदाहरण: कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, घरेलू व्यापार

2. मध्यम आकार का व्यवसाय (Medium Scale Business):

पूंजी और उत्पादन दोनों मध्यम स्तर के

उदाहरण: छोटे कारखाने, क्षेत्रीय व्यवसाय

3. बड़े आकार का व्यवसाय (Large Scale Business):

भारी पूंजी निवेश, अधिक उत्पादन, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय बाजार

उदाहरण: टाटा, रिलायंस, आईटीसी आदि

- निष्कर्ष (Conclusion):

व्यवसाय इकाई का आकार उसकी आर्थिक शक्ति, पूंजी, उत्पादन क्षमता और बाजार क्षेत्र पर निर्भर करता है। सही आकार का चयन व्यवसाय की सफलता के लिए बहुत आवश्यक होता है।